B. III & IV
L- 03
Social Justice

सतत विकास लक्ष्य (Sustainable Development Goal)

संयुक्त राष्ट्र सभा की 17वीं बैठक (2015) में "2015 पश्चात् विकास एजेंडा ट्रांसफार्मिंग अवर वर्ल्ड: 2030, ऐजेन्डा फार सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल" को निर्धारित किया गया।

इसमें SDGs के रूप में अगले 15 वर्ष (2030) तक के लिए 17 लक्ष्यों तथा 169 टारगेट को तय करते हुए P5 [People, Planet, Prosperity, Peace Partnership] पर बल दिया गया जो निम्नलिखित हैं-

लक्ष्य =>

1. No Poverty
2. Zero Hunger
3. Good Health and well-Being
4. Quality Education
5. Gender Equality
6. Clean Water and Sanitation
7. Affordable and clean Energy
8. Decent Work and Economic Growth
9. Industry, Innovation and Infrastructure

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

10- Reduce Inequalities

11. Sustainable Cities and Communities

12. Responsible Production and Consumption

13. Climate Action

14. Life below water

15. Life on Land

16. Peace, Justice and strong Institutions

17. Revitalize the Global Partnership for Sustainable Development

SDG - सतत विकास लक्ष्य का महत्व :-

1. संतुलित विकास की दिशा में सामाजिक बदलाव संभव।

2. ज्ञान समुदायों को (विशेषज्ञता, ज्ञान एवं अभ्यास के नेटवर्क को), सतत विकास की चुनौतियों का समाधान करने हेतु प्रोत्साहित करना संभव

3. हितधारकों (समुदाय के नेता, राजनीतिज्ञ, मंत्रालय, NGO, धार्मिक समूह, अन्तर्राष्ट्रीय समूह, दानदाता संगठन आदि) के नेटवर्क को एकजुट करने में सहायक।

4. दबाव समूह के द्वारा या जनता द्वारा, नेतृत्व पर दबाव बनाना एवं उसे गतिशील बनाना संभव।

5. विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति की गति को तीव्र करना तथा सामाजिक न्याय से युक्त समावेशी एवं सतत विकास को संभव बनाना।

6. वैश्विक स्तर पर, विकास में सामाजिक न्याय की स्थापना एवं विश्व के देशों के बीच असमानता की समाप्ति संभव।

7. रूढ़िवाद, आतंकवाद, उग्रवाद आदि जैसे वैश्विक समस्याओं का समाधान संभव।

8. पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान एवं पारिस्थितिकी संतुलन की स्थापना संभव।

SDG के लक्ष्यों की प्राप्ति के समक्ष चुनौतियाँ :-

1- विश्व स्तर पर सामाजिक जुड़ाव की समस्या।

2. विभिन्न देशों का निजी स्वार्थ।

3. विभिन्न हित समूहों (श्रमिकों, विज्ञनेस मैन, NGO आदि) का स्वार्थ

4. वैश्विक संगठनों का असंतुलित स्वरूप। (विकसित देशों के पक्ष में)

5. गैर लोकतांत्रिक देश एवं उनका समकालीन अप्रोच

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

6. अविकसित एवं विकासशील देशों के पास वित्त एवं तकनीकी की समस्या।

7. नरम राज्य (Soft State) [कमजोर सरकार]।

8. रूढ़िवाद, आतंकवाद एवं उग्रवाद का वैश्विक स्वरूप।

9. समाज का गिरता नैतिक स्तर।

10. अविकसित एवं विकासशील देशों की परम्परागत सामाजिक समस्याएं।

11. देश के भीतर की अपनी निजी समस्याएं (जैसे- भ्रष्टाचार आदि)

12. कोविड-19 वैश्विक महामारी

SDG की प्राप्ति को सफल बनाने हेतु सुझाव:-

उपरोक्त चुनौतियों व कमियों को दूर करके ही SDG की अपेक्षित प्राप्ति को संभव बनाया जा सकता है।

SDG- Globle Index Reports

PDF NOTES